**Regarding setting up of AYUSH dispensaries in Chhindwara Parliamentary Constituency**

**श्री बंटी विवेक साहू (छिन्दवाड़ा) :** सभापति महोदया, मैं इस सदन के माध्यम से मध्य प्रदेश के मेरे लोक सभा क्षेत्र छिन्दवाड़ा पांढुर्ना में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । मेरे लोक सभा क्षेत्र छिन्दवाड़ा पांढुर्ना की जलवायु स्वस्थ स्वास्थ्य के लिए अनुकूल है । तामिया पातालकोट जैसा प्रसिद्ध आदिवासी क्षेत्र यहां पर है । इस क्षेत्र में जड़ी-बूटियों का भंडार है, जिनका ज्ञान यहां के जनजाति के सदस्यों को है । यहां की जड़ी-बूटियां दुर्लभ और उपयोगी हैं । इनका संरक्षण एवं परंपरागत ज्ञान का हस्तांतरण पीढ़ी दर पीढ़ी किया जाना आवश्यक है ।

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति भी सरल, सुलभ, सस्ती इलाज पद्धति है, जिसमें जटिल एवं असाध्य रोगों का स्थायी इलाज संभव है । इस पद्धति से इलाज के प्रति लोगों का रुझान निरन्तर बढ़ता जा रहा है । देश में चिकित्सक एवं चिकित्सा सुविधाएं बढ़ाने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है । ऐसी स्थिति में आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के चिकित्सा महाविद्यालय कम लागत में प्रारम्भ कर चिकित्सक व चिकित्सा सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं ।

छिन्दवाड़ा जिले के नवेगांव में होम्योपैथिक चिकित्सालय संचालित हो रहा है । यहां भूमि उपलब्ध है और महाविद्यालय प्रारम्भ किया जा सकता है । तामिया में उपलब्ध औषधीय पौधों एवं जलवायु के आधार पर आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया जा सकता है ।

मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि छिंदवाड़ा के नवेगांव में होम्योपैथिक एवं तामिया में आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय प्रारंभ करने का कष्ट करें ।